RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 34 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 29 जनवरी 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

गणतंत्र के मायने

सम्मान सबका हो 'गण' हो या 'तंत्र'

कार्यालय प्रतिनिधि

2024 का गणतन्त्र दिवस आने से पहले ही मचलने लगा था क्योंकि जिस प्रकार से अयोध्या में राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ और इसको लेकर अपने-अपने बोल सबने बोले।

गणतंत्र के मायने ही सबका सम्मान है, वह चाहे 'गण' हो या 'तन्त्र'। यही कारण है कि इस बार सवाल के साथ मचलने का क्रम बना है। भारतीय संस्कृति की बात पर चर्चाएं हो रही हैं, शंकराचार्य सहित धर्माचार्यों के बोल, राजनेताओं के बोल, सत्ता पक्ष के बोल, विपक्षी दिग्गजों के बोल, पार्टी कार्यकर्ताओं के बोल, भक्तों के बोल, श्रद्धा रखने वालों के बोल, अन्ध भक्तों के बोल, मौका देखकर बोलने वालों के बोल खूब सुनाई दे रहे हैं। देश जब 75 वां गणतंत्र मना रहा हो और उसे अपनी संस्कृति के लिये तहत-तहत के बोल सुनने पड़ रहे हों तो यही बड़ा सवाल हो जाता है। आखिर यह सब क्या है?

दुनिया भर में अनेकता में एकता के लिये पहचान रखने वाला भारतीय गणतंत्र इसी लिये तहत-तहत के बोल सुन और सह रहा है क्योंकि इसका लचीलापन, राजनीति की धाराएं, नेताओं का तालमेल, जनता का भोलापन.....सबकुछ इसी में है। सत्ता में आने वाले अपनी सी करते रहे हैं और जनता है कि वोट डालना भर उसने सीख लिया है। सरकारी नौकरी करने वाले निश्चित समय तक ड्यूटी करना अपना धर्म मानते हैं। राजनीतिक पार्टियों की जोड़-तोड़ जनतंत्र को भीड़तंत्र बनाने की रही है। भीड़ है तो भीड़तंत्र बनना आश्चर्य की बात नहीं लेकिन किसी भी तरह का भेड़ियाधंसान नहीं होना चाहिये। सत्ता सुखभोग के लिये हथकण्डे अपनाने वाले नेताओं से कोसने से क्या होगा? इसके लिये प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना जरूरी है। यह गणतंत्र है। इसमें सबका सम्मान करना होगा, वह चाहे 'गण' हो या 'तन्त्र'। इसलिये यह भी जरूरी हो गया है कि वर्तमान के हालातों को देख मुखर होना चाहिये।

इस बार गणतंत्र दिवस से पहले अयोध्या में राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में जिस प्रकार का उत्साह और विरोध हुआ वह इसी गणंत्रत में सम्भव था। आजादी का मतलब हम यह मान चुके हैं कि हमें जो कहना या करना है उसे पूरा करेंगे। आजादी के साथ गणतंत्र का जानना जरूरी है। इस गणतंत्र में अनेकता है और इसी में भारतीय संस्कृति भी। पार्टियों का अपनी विचारधारा को बढ़ाने का तरीका चाहे कुछ हो उसे यह तो समझना ही होगा कि आम जनता जिसे स्वीकार रही हो, उसे कैसे नजरअंदाज करें। यह भी सत्य है कि किसी भी समय के किसी आन्दोलन का परिणाम कुछ रुककर मिलता है। ऐसा ही शायद भारतवर्ष में हो रहा है।

राजनीतिक पार्टियों के अपने फण्डे हैं जो झण्डे-डण्डे सहित 2024 के लोक सभा चुनाव के लिये जुट चुके हैं। ऐसे में आम जनता को चाहिये कि वह पार्टियों के रंग-बिरंगे झण्डों को लेकर किसी से न उलझे। सम्मान करना ही सीधा सा रास्ता है, जिससे हमारा गणतन्त्र सम्मानित हो।

हल्द्वानी : अतिक्रमण का भूत झाड़ने की होड़

कोर्ट का आदेश, प्रशासन की नौकरी, शासन की सीमा, व्यापारियों का गुस्सा

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी में इन दिनों अतिक्रमण का भूत झाड़ने की होड़ मची हुई है। असल में अतिक्रमण के लिये जितने पैने दांत इस शहर में निकले हैं उसपर नियन्त्रण करना बहुत कठिन है। फैलते शहर, जनसंख्या दबाव, बिगड़ती यातायात व्यवस्था को देखते हुए हल्ला मचने लगा। कोर्ट के आदेश, प्रशासन की नौकरी, शासन की सीमा, व्यापारियों का गुस्सा, तमाशाईयों का तमाशा.....सबकुछ मिलकर अतिक्रमण का भूत झाड़ना ही है।

व्यापारियों का मशाल जुलूस, धरना, प्रदर्शन

लाइन शिफ्टिंग व पोल शिफ्टिंग की कार्यवाही

शहर के बीचों स्थित बस अड्डा बाहर करने की मांग

नए डिजाइन को जिलाधिकारी ने स्वीकृति दी

सौन्दर्यीकरण के नाम पर उत्पीड़न है : सुमित हृदयेश

सड़क चौड़ीकरण से प्रभावित हो रहे व्यापारियों ने शहर में मशाल जुलूस, धरना, प्रदर्शन, नारेबाजी खूब की है। नैनीताल-बरेली रोड चौड़करण को लेकर प्रशासन सड़क के दोनों ओर 12-12 मीटर तक अतिक्रमण ढहा रहा है। ओके होटल से मंगलपड़ाव तक करीब 65 दुकानों का ध्वस्तीकरण होना है। इसको लेकर प्रभावित व्यापारियों ने प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया है। धरना प्रदर्शन करने वालों में व्यापार मण्डल के महानगर अध्यक्ष योगेश शर्मा, जिला महामंत्री हर्ष बर्धन पाण्डे, मनोज जायसवाल, पवन वर्मा, हुकुम सिंह कुंवर, सचिन गुप्ता, राजीव अग्रवाल, गोविन्द बगड्वाल, मुकेश धींगड़ा, सौरभ भट्ट, डा.धर्म यादव, वीरेन्द्र गुप्ता आदि थे।

इस बीच प्रान्तीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने कहा है कि हल्द्वानी शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत रोड चौड़ीकरण किया जा रहा है जो शहर की बढ़ती वाहन संख्या के लिए जरूरी भी है लेकिन मात्र सड़क चौड़ीकरण से ही यातायात व्यवस्था नहीं सुधरने वाली है जब तक मुख्य बाजार के बीचोंबीच स्थित बस अड्डा शहर से बाहर नहीं किया जाता है तब तक हमें जाम झेलना ही पड़ेगा।

व्यापारी संगठनों का भी यही कहना है कि सबसे पहले बस अड्डे को शहर की सीमा से बाहर किया जाय फिर चौड़ीकरण किया जाएं। वर्मा ने कहा कि शहर के सौन्दर्य करण के लिए हम बाधक नहीं बनेंगे क्योंकि शहर भी हमारा ही है। वर्तमान में हल्द्वानी महानगर के बीच से दोनों बस अड्डे बाहर किया जाना अति आवश्यक है। प्रशासन को अस्थाई रूप से बस अड्डा बना कर शहर से बाहर कहीं से भी बसों का संचालन करना चाहिए ताकि बड़ी बसें शहर में नहीं घुस पायें। बस अड्डा बाहर करने से टैक्सी व टैम्पो भी बाहर हो जाएंगे और शहर में यातायात सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सकता है।

विधायक सुमित हृदयेश व्यापार संगठनों की ओर से खड़े हैं। उनका कहना है कि राज्य की डबल इंजन सरकार सौन्दर्यीकरण, अतिक्रमण के नाम पर व्यापारियों के प्रतिष्ठानों को तोड़कर उन्हें उजाड़ने का काम कर रही है। हल्द्वानी वासियों की असली मांग आईएसबीटी, रिंग रोड है। आईएस बीटी के लिये चयनित आदर्श जगह गौलापार थी लेकिन सरकार ने हल्द्वानी वासियों को झांसे में रखा। और अब सौन्दर्यीकरण के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है।

व्यापार संगठनों के कहने-सुनने के अलावा प्रशासन का अभियान जारी है। सड़क चौड़ीकरण के लिये अतिक्रमण तोड़े जा रहे हैं। दुकानदारों को नोटिस दे दिये गये है। और राजकीय सम्पत्तियां जो अतिक्रमण की जद में आ रही थी उन्हें ढहा दिया गया है। प्रशासन राजकीय सम्पत्तियों का पुनर्निर्माण इस तरह से कर रहा है कि उस हिस्से में सौन्दर्यीकरण भी हो। मिनी स्टेडियम की तोड़ी गई दीवार को अब नए तरीके से बनाया जाएगा। साथ ही होली ग्राउण्ड और अम्बेडकर पार्क का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। नए डिजाइन डीएम ने स्वीकृत कर लिया है। साथ ही मंगल पड़ाव से रोडवेज स्टेशन तक रोड चौड़ीकरण के लिये 65 दुकानदारों को दिए गए नोटिस की तिथि बीतने पर कार्यवाई की जा रही है। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि नए डिजायन की स्वीकृति मिलने के बाद कार्यदाई संस्थाओं को स्वीकृत डिजायन के अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

घर-गाँव के मन्दिर

अयोध्या में राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देशभर में जिस प्रकार जगह-जगह मन्दिरों व अन्य स्थानों पर भक्तिमय आयोजन किये गये इससे ऐसा लगने लगा था कि श्रद्धा की बाढ़ आ चुकी है और घर-गाँव के मन्दिर भी अब बराबर संरक्षण में रहेंगे। लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है?

पलायन हो चुके ग्रामों को छोड़िये, कई ऐसे मन्दिर जो आवादी के बीच हैं उनमें बीरानी छाई रहती है। इसके अलावा अतिक्रमण के लिये मन्दिर की आड़ याने की अतिक्रमण कर मन्दिर बना दिया जाता है। इन स्थितियों को क्या कहें? अयोध्या राम मन्दिर आयोजन के बहाने चलो जो कुछ हुआ हो लेकिन धार्मिक स्थलों की स्थितियों पर गम्भीर होना जरूरी है।

उत्तराखण्ड को देवभूमि कहा जाता है और पुराने समय के मन्दिरों की स्थिति को देखते ही पता चलता है कि इनकी पवित्रता के लिये कितनी दूरी पर इन्हें बनाया गया था और मनोकमना के लिये राजाओं ने तक मन्दिर समूहों में अपना योगदान दिया। इसके अलावा पशु, कृषि, भूमि-भवन, ग्राम-इलाका की कामना करते हुए स्थानीय देवताओं के मन्दिर स्थापित किये गये। आस्थाओं के इन स्थलों पर परम्परा अनुसार पूजा-पाठ होते हैं। इन प्राचीन देवालयों को देखते ही श्रद्धा होती है। इसके विपरीत नाली-गूल-सड़क या ऐसे ही किसी स्थान पर घेरकर बनाए गये मन्दिर को चाहे कितने ही चिकने पत्थरों से सजाया गया हो, एकाएक मन नहीं रमता। ऐसे स्थान पर भीड़ भले ही हो लेकिन देवों के प्रति आस्था का भाव बनना कठिन होता है।

इसलिये जरूरी है कि आस्था के स्थल देवालयों को जबरन न बना दिया जाए बल्कि प्राचीन समय के बने मन्दिरों को संरक्षित किया जाना जरूरी है। इसके लिये किसी प्रकार की राजनीति को स्थान नहीं है। भगवान राजनीति से नहीं आत्मा की पुकार से महसूस किये जा सकते हैं। अयोध्या राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हुए ऐतिहासिक समारोह में चाहे जो जिस श्रद्धाभाव से लगा हो लेकिन इससे यह तो सबक बनता ही है कि हमें अपने घर-गाँव के पुराने मन्दिरों को संरक्षित रखना है। लोक देवताओं का अपना महत्व है। यह सामूहिक एकता-अखण्डता, खुशहाली के स्थल हैं।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

बर्फीले तूफान ने रोकी उड़ानें

आर्कटिंक तूफानों की सर्द लहर के बची अमेरिका के कई शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया। न्यूयार्क से लुइसियाना राज्यों तक गर्वनरों ने आपत काल की घोषणा कर दी और तूफान के तुरन्त बाद मिडवेस्ट और साउथ की उड़ानों को रद्द कर किया गया।

राष्ट्रपति बना तो मुद्दा सुलझाने की दम भरा

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की रेस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यदि वह राष्ट्रपति बने तो इजराइल फिलिस्तीन मुद्दे को सुलझा लेंगे। आयोवा प्राप्त में पहली कॉकस जीत के बाद उन्होंने यह दम भरा है।

विदेश में रहने वाले ब्रिटिश चुन सकेंगे नेता

विदेश में रह रहे ब्रिटिश नागरिक भी अब मतदान कर सकेंगे। दुनिया भर में ऑनलाइन मतदान करने के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। विदेशों में रहने वाले भारतीयों सहित 30 लाख से अधिक ब्रिटिश नागरिक हैं। इन्हें चुनाव अधिनियम 2022 लागू होने के बाद जनमत संग्रह का अधिकार मिल गया है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के केन्द्र सरकार के फैस

कोरोना से बचाव को एहतियाती कदम

कोरोना वायरस के उप-स्वरूप जेएन.1 को देखते हुए केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों से सतर्क रहने को कहा है। राज्य कोरोना क

घूस लेने के आरोपी सिंगापुर के मंत्री का इस्तीफा

सिंगापुर के परिवहन मंत्री सुब्रमण्यम ईश्वरन ने रिश्वतखोरी का आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने बताया कि 16 जनवरी 2024 को भ्रष्ट आचरण जांच ब्यूरो द्वारा श्री ईश्वरन को आरोपों की औपचारिक सूचना दिये जाने के बाद उन्होंने कैबिनेट मंत्री एवं पीलुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

जलवायु परिवर्तन से निपटना जरूरी

विश्व बैंक प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि जलवायु और गरीबी सहित आपस में जुड़े संकट का सामना कर रही दुनिया के लिये इससे निपटने के लिये तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। विश्व आर्थिक मंच की बैठक में बोल रहे थे।

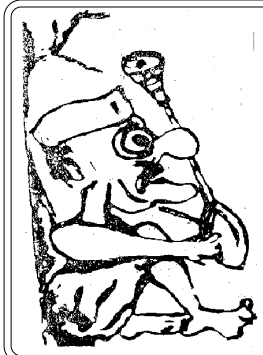

फसक

दाज्यू, रफ्तार पकड़ी तो पकड़ आसान ठैरी

आस्था और घुड़दौड़ के रास्ते एकदम अलग होते हैं बल

दाज्यू, अयोध्या में मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा की ताप बनी हुई है। भारतीय अखाड़ा परिषद ने मोदी ज्यू को सनातन शिरोमणि की उपाधि से जब अलंकृत किया तभी से हमारे वार्ड नेता बमश्याम को भरोसा होने लगा है कि देश में अभी धुंआधार होगा। दाज्यू, शंकराचार्य का गुस्सा हमें समझ कम आता है। धर्मशास्त्र का मामला ठैरा, कैसे क्या कहें? इतना पता है रफ्तार पकड़ी तो पकड़ आसान ठैरी। भीड़ को देख हमारा मन कभी नहीं ठहरता है। आस्था और घुड़दौड़ के रास्ते एकदम अलग होते हैं बल।

विजीलेंस वाले दबादब पकड़ कर रहे हैं। डेरी उप निदेशक पर हरिद्वार के एक दुग्धसंघ की जाँच में लापरवाही बरतने पर शसन के आदेश के बाद उनसे महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व छीन लिया गया। छज्जू बता रहा है कि विजिलेंस के रडार पर दर्जनभर अफसर हैं। अलग-अलग विभाग के 12 अधिकारियों के खिलाफ सात कहा पहले शिकायत मिली थी कि भ्रष्टाचार के लपेट में आय से अधिक सम्पत्ति अर्जित कर रखी है। दाज्यू, पड़ताल में सब पता चल ही जाएगा। दाज्यू, स्टार्टअप क्षेत्र में अपने उत्तराखण्ड को लीडर अवार्ड मिल चुका है। अब घबराने की जरूरत नहीं है। भय और भ्रष्टाचार मुक्त का नारा लग ही रहा है। सीएम ने कह दिया है- 'विकास की दौड़ में आगे रहेंगे।' दाज्यू, उद्यान घोटाले में सीबीआई जाँच जारी रहेगी बल। कांग्रेस मंत्री के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य कह रहे हैं- 'प्रदेश सरकार भ्रष्टाचारियों को बचा रही है।' क्या कहें और क्या करें अब? पनुवानौला उप डाकघर में फर्जी प्रमाण पत्रों के आरोप में बर्खास्त डाकपाल पर मुकदमा कर जाँच चल रही है। किच्छा में दिल्ली से आई जीएसटी की टीमों ने एक व्यापारी के ठिकानों पर छापेमारी की है बल। दबादब पकड़ हो रही है। दाज्यू, हल्द्वानी रेलवे स्टेशन में सीबीआई ने रिश्वत लेते हुए आरपीएफ के चौकी इंचार्ज को पकड़ लिया। शिकायत है कि इंचार्ज रेलवे परिसर में वाहन पार्क करने व यात्रियों को ढोने के नाम पर रुपये मांगता था।

चोर-पुलिस का खेल होते रहता है। किसे कम कहें, कम भी तो कोई नहीं है। साइबर ठगों ने इंडियन बैंक के रिटायर्ड चीफ मैनेजर से चार लाख ठग लिए। रुद्रपुर की आदर्श कालोनी रहने वाले मैनेजर सैप को फोन आया था बल। ठग ने रिश्तेदार बताते हुए स्वास्थ्य सुधार के लिये मांग की। दाज्यू, सब हिल्ले से लगे हैं। बागेश्वर उत्तरायणी मेले में जिलाधिकारी और मेलाधिकारी ने भी ठुमके लगाए बल। ठण्ड में सुरताल की गमक रमा करने वाली ठैरी। यही सब चाहिये और क्या.....। गोलू बता रहा था- 'आयुक्त दीपक रावत के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनकार अश्लील फोटो अपलोड हो गई थी।' दाज्यू, अच्छों ने रफ्तार पकड़ी तो बुरों ने भी रफ्तार तेज कर ली। सुनने में आ रहा है कि साइबर हैकरों के निशाने पर उत्तराखण्ड पुलिस भी है। भगवान बचाए ऐसे हैकरों से। -तुम्हारा भुली झकरुवा

सीएम की पंचायतों का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाने की मांग

राज्य वित्त तथा 15 वें वित्त का भुगतान पुरानी पद्धति से हो

पिथौरागढ़। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन देकर पंचायतों का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाने तथा राज्य वित्त एवं 15 वें वित्त के चार बार भुगतान की नवीन प्रणाली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष तथा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देते हुए कहा कि कोविड 19 के कारण 2 वर्ष तक पंचायतें अपनी सामान्य बैठक में भी नहीं कर पाई। उन्होंने कहा कि पंचायत एक्ट के अनुसार अगर वर्ष भर में न्यूनतम पंचायतों की चार बैठके नहीं होती है, तो उस कालखण्ड को पंचायतों का कार्यकाल नहीं माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के 12 जनपदों के साथ हरिद्वार जनपद का पंचायत चुनाव कराने के लिए पूर्व में भी एक बार दो वर्षों का कार्यकाल त्रिस्तरीय पंचायतों का बढ़ाया गया था। उसके बाद भी इस कार्य को फलता नहीं मिली।

उन्होंने कहा कि कोविड-19 तथा हरिद्वार जनपद के पंचायत चुनाव शेष उत्तराखण्ड एक साथ कराने के लिए वर्तमान त्रिस्तरी पंचायत का कार्यकाल 2 वर्ष बढ़ाया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पंचायत में राज्य वित्त तथा 15 वें वित्त का भुगतान पूर्व की भाँति किया जाना आवश्यक है। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा चार बार भुगतान करने की जो प्रणाली लागू की गई है। वह कर्मचारियों के नहीं होने के कारण वह प्रणाली पर्वतीय क्षेत्रों में व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व की भाँति दोनों मदों का भुगतान एक समय में किए जाने की पूर्व की पद्धति को ही लागू किए जाने के लिए राज्य सरकार को हस्तक्षेप किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन दो मामलों में अगर कोई कार्रवाई नहीं करती है, तो उत्तराखण्ड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन सरकार के खिलाफ आन्दोलन शुरू करेगी।0

कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिये तैयार है

स्वराज आश्रम में गोविन्द कुंजवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

हल्द्वानी। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां शुरु कर दी हैं। नैनीताल उधमसिंह नगर संसदीय सीट के प्रभारी गोविन्द सिंह कुन्जवाल ने स्वराज आश्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि कांग्रेस संगठन लोकसभा चुनाव को लेकर पूरी तरह तैयार है, केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार सभी बीएलए, मण्डल अध्यक्षों की नियुक्तियां कर ली गई हैं। जल्द सभी बूथ व मण्डल प्रभारियों को भी जिम्मेदारी दे दी जायेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्याशी कोई भी हो, हमारा प्रत्याशी हाथ का पंजा होगा।

लोकसभा प्रभारी गोविन्द सिंह कुंजवाल ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिये कांग्रेस एकजुट है। सरकार की गैर दूरदर्शी नीतियों से समाज का हर वर्ग दु:खी है। धर्म के नाम पर वोटों का ध्रुवीकरण की भाजपा की साजिश अब पूरी नहीं होगी। कहा कि कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को अपार जन समर्थन मिल रहा है। बैठक में पूर्व सांसद महेन्द्र पाल, पूर्व विधायक हरीश दुर्गापाल, पूर्व विधायक संजीव आर्या, जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, हेमन्त बगड्वाल, खजान पाण्डे, शोभा बिष्ट, दीप पाठक उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

इतिहास पहली रक्तहीन क्रान्ति थी कुली बेगार प्रथा

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

बागनाथ मन्दिर, बागेश्वर जिले में सरयू और गोमती नदियों के संगम पर बागेश्वर शहर में स्थित है। यह मन्दिर भगवान शिव को पूणत: समर्पित है। इसमें शिवरात्रि के अवसर पर भक्तों की बहुत बढ़ी संख्या भगवान शिव के दर्शन के लिए आती है। बागेश्वर शहर को यह नाम इस मन्दिर से मिला है।

हिन्दू किंवदन्ती के अनुसार, ऋषि मार्कंडेय ने यहाँ भगवान शिव की पूजा की थी। भगवान शिव ने बाघ के रूप में आकर ऋषि मार्कंडेया को आशीर्वाद दिया था। यहाँ उत्तरायणी मेला हर साल जनवरी महीने में मकर संक्रान्ति के अवसर पर आयोजित किया जाता है। मेले के धार्मिक अनुष्ठान में संगम पर मेले के पहले दिन स्नान करने से पहले स्नान होता है। स्नान के बाद, मन्दिर के अन्दर भगवान शिव को जल अर्पित करना आवश्यक माना जाता है। इस धार्मिक अनुष्ठान को तीन दिनों तक किया जाता है जिसे 'त्रिमाघी' के नाम से जाना जाता है।

बागेश्वर जिले में सरयू के बगड़ में सौ साल पहले कुली बेगार प्रथा के विरोध में जन्मी रक्तहीन क्रान्ति की सफलता के पीछे बागनाथ की कान्ति थी। आन्दोलन के नेताओं को हिरासत में लेने का तत्कालीन जिलाधिकारी डब्ल्यूसी डायबल का नोटिस भी वहाँ उमड़े जन समूह के आगे बेअसर हो गया था। यह आन्दोलन का ही प्रभाव था कि बाद में महात्मा गांधी ने अपने यंग इंडिया समाचार पत्र में इसे रक्तहीन क्रान्ति की संज्ञा दी थी। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान कुली बेगार प्रथा के खिलाफ शुरू हुए जनान्दोलन ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। बागनाथ को साक्षी मानते हुए जन सैलाब को बेगार कुप्रथा का पालन नहीं करने की शपथ दिलाने और तत्कालीन सरकार से इसे वापस लेने की पं. बदरी पाण्डे की गर्जना भी वहाँ मौजूद अल्मोड़ा के तत्कालीन जिलाधिकारी डायबल को कार्रवाई के लिए बाध्य नहीं कर सकी। इसी के साथ हजारों प्रधानों के अपने कुली रजिस्टरों को फाड़कर संगम में प्रवाहित करने का साहस इतिहास में कुमाऊँ की रक्तहीन क्रान्ति के नाम से विख्यात हो गया। आन्दोलन को गढ़वाल में पं. अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा ने संचालित किया था। इसी की सफलता के बाद बद्री दत्त पाण्डे व अनुसुइया प्रसाद बहुगुणा को क्रमश: कुमाऊँ व गढ़ केसरी का सम्मान दिया गया था। मकर संक्रान्ति यानी उत्तरायणी के दिन ही इस कुप्रथा का अन्त हुआ था।

ब्रिटिशकाल में कुमाऊँ कमिश्नरी के अन्तर्गत बेगार प्रथा करीब 105 वर्ष तक यानी 1815 से 1921 तक रही। लेकिन इस प्रथा का प्रतिरोध प्रारम्भ से ही होता रहा। 1913 के बाद बेगार प्रथा के खिलाफ जनान्दोलन ऐसा भड़का कि 1921 में उत्तरायणी के बागेश्वर में कुली कुप्रथा का ही खात्मा कर दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार की पुस्तक उत्तराखण्ड का समग्र राजनीतिक इतिहास में उल्लेख है कि कमिश्नर ट्रेल ने इस प्रथा को हटाने और खच्चर सेना को विकसित करने का प्रयास किया था, लेकिन प्रथा समाप्त न की जा सकी। 1840 में ग्रामीणों ने अपने उत्पादों को लोहाघाट छावनी में रख दिया। साथ ही सैनिक सामग्री को ले जाने से भी मना कर दिया। इससे 1844 में तीर्थयात्रियों को सोमेश्वर से अल्मोड़ा के बीच पर्याप्त कुली नहीं मिले। 1850 में जब बिसाड़ पिथौरागढ़ के ग्रामीणों से बेगारी कराई तो उन्होंने विरोध करते हुए खुद को बेगार मुक्त कराया। 1857 में कमिश्नर रैमजे को जेल के कैदियों को इस काम में लगाना पड़ा।

कुमाऊँ परिषद के काशीपुर अधिवेशन में ही यह निर्णय लिया गया था कि उत्तरायण के मेले में जब पहाड़ के कोने-कोने से जनता एकत्रित होगी तो उनके मध्य बेगार विरोधी प्रचार अधिक सफल होगा। नागपुर कांग्रेस से लौटने के बाद 10 जनवरी 1921 को चिरंजीलाल साह, बद्रीदत्त पाण्डे, हरगोविन्द पन्त सहित कुमाऊँ परिषद के लगभग 50 कार्यकर्ता बागेश्वर पहुँचे। 12 जनवरी को दो बजे बागेश्वर में जलूस निकला। जुलूस की परिणति विशाल सभा के रूप में हुई, जिसमें 10 हजार से अधिक लोग उपस्थित थे। 13 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन दोपहर एक बजे के आसपास सरयू नदी के किनारे पर आमसभा आयोजित की गई। इसी समय कुछ मालगुजारी अपने गाँव के कुली रजिस्टरों को सरयू में डुबो दिया। 14 जनवरी 1921 को बद्रीदत्त पाण्डे ने अत्यधिक उत्तेजनापूर्ण भाषण देते हुए समीप में स्थित बागनाथ मन्दिर की ओर संकेत करते हुए जनता को शपथ लेने का आह्वान किया। सभी लोगों ने एक स्वर में कहा, हम कुली नहीं बनेंगे और कुली रजिस्टर फिर से सरयू में फेंक दिए गए। इसे पहली रक्तहीन क्रांति के नाम से भी सम्बोधित किया जाता है। जिस समय बागेश्वर में कुली उतार, कुली बेगार व कुली बर्दायश नामक कुप्रथा को समाप्त करने के लिऐ जनता उत्तेजित थी, उस समय डिप्टी कमिश्नर डायबिल जनता को गोलियों से भून देना चाहता था लेकिन तब कूर्मांचल केसरी बद्रीदत्त पाण्डे की ललकार और अपनी शक्ति सीमित देखकर डिप्टी कमिश्नर ने गोली चलाने का निर्णय वापस ले लिया। 15 जनवरी, जिस दिन अंग्रेज अधिकारियों को यहाँ से वापस लौटना था, उन्हें कुली नहीं मिले। अंग्रेज अधिकारी पहाड़ के भ्रमण पर जाते थे, उनके सामान को उठाने के लिए स्थानीय जनता को नि:शुल्क व्यवस्था करनी होती थी। इसे कुली उतार कहा जाता था। अंग्रेज अधिकारियों के लिए उस दौरान नि:शुल्क काम करना पड़ता था। इसे कुली बेगार कहा जाता था जबकि अंग्रेज अधिकारियों के लिए भोजन व्यवस्था करने वाले को कुली बर्दायश कहा जाता था। बागेश्वर के पास पुण्य सलिला सरयू में खड़े रह कर अंजलि से सूर्य भगवान को अर्घ्य चढ़ाते हुए उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मर जायेंगे परन्तु बेगारी जुल्म को जरा भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इन सबका आत्म बल इतना ऊँचा सिद्ध हुआ कि तत्काल बेगारी के असुर को कुमाऊँ प्रदेश से विदा लेनी पड़ी। गाँव-गाँव में प्रत्येक घर के ऊपर बेगारी की बारी का जो क्रम बना हुआ था उस क्रम वाली बहियों को सरयू जल में समाधि दे दी गई और ब्रिटिश सेना के गोरे सैनिकों का अत्याचार भी बेगारी को पुन: चालू नहीं करा सका। इस प्रकार भयानक पशुबल के सामने पहाड़ी भाइयों के आत्मबल ने शत प्रतिशत विजय पाई। इस घटना के आठ वर्ष बाद गाँधी जी ने अल्मोड़ा की यात्रा की। बागेश्वर में हजारों लोग गाँधी जी के दर्शन के लिए इकट्ठे हुए। सबके मन में यह भावना थी कि गाँधी जी ने अपने जादू से पुरखों के जमाने से चली आ रही बेगारी को दूर कर दिया। प्राचीन काल से ही कुमाऊँ के गरिमामय और गौरवपूर्ण इतिहास का साक्षी रहा है। आजादी के आन्दोलन में कुली बेगार प्रथा को समाप्त करने के लिए वर्ष 1921 में हुए आन्दोलन के साथ इस मेले का राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन की दृष्टि से भी विशेष महत्त्व है।

राष्ट्रीय धरातल पर देखा जाए तो उत्तराखण्ड को यह श्रेय भी जाता है कि समूचे देश में अंग्रेजों की हुकूमत के विरुद्ध जो आजादी की लड़ाई का पहला बिगुल बजा, उसका निर्भीक नेतृत्व कुमाऊँ और गढ़वाल के स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा उत्तराखण्ड की वादियों में ही किया गया था। उत्तराखण्ड के इसी उत्तरायणी के जन आन्दोलन से ही गांधी जी को ब्रिटिश हुकुमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई के लिए सत्याग्रह की प्रेरणा मिली थी।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने, जिसके नेतृत्व में कुली बेगार प्रथा के विरुद्ध यह आन्दोलन लड़ा गया था, एक इतिहासकार का कथन है कि यदि आपको अपनी आजादी की रक्षा करनी है तो अपने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को सदा याद रखना चाहिए और उन स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित भी करना चाहिए। हमारी सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए भी आज उत्तरायणी महज एक सांस्कृतिक पर्व के रूप में याद है जबकि इस आन्दोलन के कारण अंग्रेजों को कुली बेगार जैसे काले कानून को वापस लेना पड़ा।

ज्योतिष की बातें - 163

1 फरवरी 2024 को बुध अपने समग्रह शनि की राशि मकर में प्रवेश करेगा। वहाँ पर चार दिन बाद मंगल भी साथ में आ जाएगा, साथ ही सात दिन बाद बुध अस्त भी हो जाएगा। इस प्रकार कुल मिलाकर बुध निर्बल ही रहेगा। बुध बौद्धिक क्षमता, व्यापार, वाणिज्य, लेखनकला, गणित आदि का कारक होता है। बुध के उदय, अस्त का प्रभाव अन्य ग्रहों की तरह तीव्र प्रकृति का नहीं होता है। फलदीपिका के अनुसार बुध दूसरे, चौथे, छठवें, आठवें, दसवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभफल प्रदान करता है। अत: अगले 20 दिन धनु, तुला, सिंह, मिथुन, मेष व मीन राशि के जातकों को अल्पमात्र में अपने कारक विषयों में शुभफल प्रदान करेगा। अन्य राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

इस गोचरफल में केवल बुध के गोचर का विचार किया गया है अन्य ग्रहों के गोचर का नहीं। व्यक्ति विशेष के लिए सूक्ष्म विश्लेषण उसकी जन्मकुण्डली, महादशा आदि पर निर्भर करता है।

शुभं भवतु !! -**ओंकार नाथ कोष्टा**, ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 54

मैं तो शूद्र ही ठीक

मेरे एक मित्र हैं, वास्तविक शूद्र, भगवान के भक्त, पूजा-पाठ करने वाले। उनके मनोभाव देखिए।

मेरे ब्राह्मण न होने से मुझे बहुत आराम मिलता है क्योंकि- 1. ब्राह्मणों को यज्ञोपवीत धारण करने के बाद उसके कठिन नियमों का निरन्तर पालन करना पड़ता है। यदि वह यज्ञोपवीत सम्बन्धी नियमों का पालन नहीं करता है तो वह ब्राह्मणत्व से पतित हो जाता है लेकिन मैं इन कठिन नियमों से बचा रहता हूँ। 2. ब्राह्मण को नित्य स्वाध्याय के रूप में वेदपाठ करना पड़ता है जोकि उच्चारण आदि में बहुत कठिन होता है लेकिन मेरा काम तो सरल संस्कृत में रचित पुराणों के पाठ करने से ही चल जाता है। 3. ब्राह्मणों के लिए वानप्रस्थाश्रम और सन्यासाश्रम का भी पालन करना आवश्यक होता है लेकिन मेरे लिए केवल गृहस्थाश्रम का ही पालन करना पर्याप्त है। गृहस्थाश्रम को वैसे भी सर्वश्रेष्ठ कहा गया है। 4. ब्राह्मणों के लिए देवपूजा में वैदिक मन्त्रों का उच्चारण करना पड़ता है और मेरे लिये पौराणिक मन्त्रों के द्वारा ही षोडशोपचार पूजा सम्पन्न हो जाती है अथवा नाम मन्त्रें के द्वारा पूजा करने से ही उतना पुण्य प्राप्त हो जाता है। 5. ब्राह्मणों को शौचादि के नियमों का पालन अधिक मात्रा में करना पड़ता है और मेरे लिए तो एक चौथाई नियमों का पालन करना ही पर्याप्त रहता है । 6. आजकल मंदिर में दर्शन करने के लिए लाइन में 10-12 घंटे तक खड़े रहना पड़ता है इसके बावजूद भी भगवान के दर्शन कुछ सेकेंड के लिए ही हो पाते हैं । समय और धन दोनों ही खर्च होते हैं। लेकिन मुझे दूर से ही मंदिर के शिखर का दर्शन करके प्रणाम करने मात्र से वही पुण्य प्राप्त हो जाता है। 7. ब्राह्मण को जो पुण्य स्नान, दान, सन्ध्या, जप, ध्यान, स्वाध्याय आदि करने से प्राप्त होता है वही पुण्य मुझे नामजप करने मात्र से ही प्राप्त हो जाता है। इतनी सब शास्त्रसम्मत सुविधाएं होने के बावजूद मैं ब्राह्मण होने की आकांक्षा क्यों करूँ!

ऐसा भी नहीं कि ब्राह्मण होने के बाद ही मुक्ति प्राप्त होती है क्योंकि गुह नामक भिल्ल ब्राह्मण नहीं था फिर भी उसको मोक्ष प्राप्त हुआ। शबरी जो कि पुरुष भी नहीं थी, एक स्त्री होने के बावजूद भी भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन हुए और तत्काल मुक्ति भी प्राप्त हुई। मुक्ति के लिए तो मनुष्य होना भी आवश्यक नहीं है। गजग्राह के युद्ध में भगवान ने इन दोनों को मुक्ति प्रदान की। मुक्ति के लिए तो जीवमात्र होना भी आवश्यक नहीं है स्थावर को भी मुक्ति मिलती है। भगवान ख्रष्ण ने दो यमलार्जुन वृक्षों को भी तत्काल मुद्रि प्रदान की थी।

इसीलिए मैं यज्ञोपवीत धारण करने एवं वेद पढ़ने की जिद क्यों करूँ। मैं तो शूद्र ही ठीक । -**सरल**

लघु कहानी तराण

''तू इस तरह इस उम्र में हमें ऐसे छोड़कर जाएगा, ऐसा कभी नहीं सोचा था। पितरों के तारण की कामना सन्तान से की जाती है मगर तू तो.....'' अपनी एकमात्र सन्तान भूपेश के शव के सम्मुख विलख-विलख कर रोते हुए, सुबेदार रतन सिंह कहे जा रहे थे।

कितने अरमानों से पाला था वह। काफी इलाज, इंतजार व तमाम देवताओं के पूजन के उपरान्त उन्हें एकमात्र सन्तान, भूपेश के रूप में प्राप्त हुई थी।

सूबेदार साहब का रिकार्ड काफी अच्छा रहा था। गरीबी में पले-बड़े रतन स्कूल टाईम से ही काफी मेहनती, लगनशील व नेक प्रवृति के रहे। परिणाम स्वरूप सेना में भी उनके इन्हीं गुणों ने उन्हें शीघ्र जेसीओ के रैंक तक पहुँचा दिया। वह चाहते थे कि उनका एकमात्र पुत्र भी खूब पढ़ लिख कर, सेना में अधिकारी बन उनका व क्षेत्र का नाम रौशन करे।

मगर होनी को कुछ और ही मंजूर था। अति महत्वाकांक्षा और सुविधाओं की प्रचुरता, कई बार खतरनाक भी सिद्ध हो जाया करती है। रतन सिंह ने भूपेश को कक्षा 5 के पश्चात् एक नामी शहर के महंगे स्कूल में पढ़ने भेज दिया ताकि वह बड़ा आदमी बनकर दिखाए लेकिन भूपेश हॉस्टल में कुछ ऐसे तत्वों के बीच फंसा कि, दसवीं तक पहुँचते-पहुँचते नशेड़ी बन बैठा और मैट्रिक परीक्षा भी पास नहीं कर पाया।

थकहारकर सुबेदार साहब उसे घर ले आए और नजदीक के स्कूल में दाखिला कर दिया लेकिन अब वह कीच में काफी अन्दर तक धंस चुका था। वहाँ भी वह नशीली वस्तुओं का किसी तरह जुगाड़ बना लेता और घर से चोरी कर लाए रूपयों से खरीद, उसे इस्तेमाल कर लेता। उसकी देखादेखी स्कूल के अन्य बच्चे भी बिगड़ने लगे थे तथा प्रधानाचार्य की चेतावनी उसके घर तक पहुँच चुकी थी। नशे में लड़खड़ाते हुए घर आते समय एक दिन, वह ऐसा गिरा कि फिर उठ नहीं सका।

भूपेश की मृत्यु के सालभर बाद हताश रतन सिंह भी सेवानिवृत्त हो घर आ गए और अब भूपेश की भटकती आत्मा के तारण हेतु, श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन करने की सोच रहे हैं।

-**दीवान सिंह कठायत**

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रुद्रपुर में सीएसडी कैंटीन की मांग

पूर्व सैनिकों ने रुद्रपुर मुख्यालय में सीएसडी कैन्टीन खुलवाने एवं केन्द्रीय विद्यालय बनाने की मांग का ज्ञापन विधायक अरविन्द पाण्डे को सौंपा। इस पर श्री पाण्डे ने आश्वास दिया कि पूर्व सैनिकों की मांगों को प्रदेश व केन्द्र सरकार तक पहुँचाएंगे। गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर के ब्लाक अध्यक्ष पूर्व कैप्टन धन सिंह कोरंगा के नेतृत्व में शिष्ट मण्डल विधायक से मिला था।

दन्या में जाम से आफत मची

दन्या। पहाड़ का प्रमुख बाजार दन्या जाम के कारण आफत से घिरता जा रहा है। नियमित आने वाले यात्री वाहनों के अलावा अधिक संख्या में आने लगे निजी वाहनों व टैक्सियों से बाजार में दोनों ओर से वाहनों की लम्बी कतार लग रही है। ऐसे में कई बार बाजार में काफी देर तक चलना-फिरना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

बीणेश्वर महादेव में उत्सव हुआ

बेरीनाग। गणाई गंगोली के बीणेश्वर महादेव मन्दिर में दो दिवसीय उत्सव हुआ। सेराघाट सरयू तट पर विधायक फकीर राम टम्टा ने समारोह का शुभारम्भ किया। महोत्सव के अध्यक्ष हरीश डसीला, जोगेन्द्र डसीला, मोहन जोशी, दीपक चन्याल, जेपी चन्याल सतीश कोठारी, भगवान सिंह डसीला, पूरन सिंह, दीवान सिंह, प्रकाश डसीला तमाम लोग मौजूद थे।

नैनीताल शहर का सर्वेक्षण होगा

जोशीमठ भू-धंसाव के हालत देखते हुए नैनीताल शहर में भी भू तकनीकी और भौतिकीय सर्वेक्षण की तैयारी है। शहर को बचाने और भविष्य की निर्माण योजनाओं को तैयार करने के लिये भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र ने प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसके लिये लाइडर मैप भी तैयार किया जाएगा। असल में पहले चरण में 15 शहरों का अध्ययन किया जाना है, उसी में नैनीताल भी एक है।

मासी-अल्मोड़ा बस सेवा शुरू हो

अल्मोड़ा। मासी क्षेत्र के ग्रामीणों ने सीएम को ज्ञापन भेजकर मासी-अल्मोड़ा रोडवेज बस सेवा फिर शुरु करने की मांग की है। कहा कि यह बस दूरस्थ क्षेत्र के लोगों के जिला मुख्यालय तक पहुँचने का एकमात्र साधन थी, लेकिन कुछ समय पहले से इस बस सेवा को बन्द कर दिया है। जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीएम को भेजे ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि चौखुटिया ब्लाक के मासी कस्ब के लिये कुछ सालों पहले यह बस सेवा शुरु की गई थी। बस सेवा होने से रोगियों सहित सभी को आने-जाने में सविधा होगी।

बर्फबारी से चमकती चोटियां, शीतलहर से मैदान त्रस्त

उच्चहिमालय में बर्फबारी सहित चोटियां सफेद चमक उठी हैं जिससे चारों ओर ठिठुरन है। साथ ही मैदानी क्षेत्र में शीत लहर से जनजीवन त्रस्त है।

उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, जोहार, चौंदास ऊँचाई में बर्फबारी हुई। इसके अलावा बदरीनाथ, हेमकुण्ड, फूलों की घाटी, रुद्रनाथ, लाल माटी, नीती, माणा घाटियों सहित जोहार के नाग्निधुरा, हंसलिंग, पंचाचूली, राजरम्भा की चोटियों में बर्फबारी हुई है। दारमा, व्यास घाटियों के ऊँचाई वाले हिस्सों में हिमपात हुआ। बर्फबारी के बाद पर्यटकों व किसानों के चेहरों पर मुसकुराहट देखी गई।

भाबर में देर तक कोहरा बना होने से अलांव जलाकर दिनचर्या कट रही है जबकि मैदानी क्षेत्र में शीतलहर का प्रकोप ज्यादा ळै। गलन वाली ठण्ड, कोहरा और भीषण शीतलहर से यात्रा में भी दिक्कत हो रही है। उत्तरायण के बाद भाबर में यदा-कदा सूर्य के दर्शन हो रहे हैं लेकिन गलन वाली ठण्ड से मैदान में काफी दिक्कत हो रही है। अनुमान है अभी कुछ दिन यह प्रकोप जारी रहेगा।

आदिकैलास यात्रा का कार्यक्रम जारी

नैनीताल। कुमाऊँ मण्डल विकास निगम द्वारा वर्ष 1991 से जारी आयोजित कैलास यात्रा तैयारियां शुरु हा चुकी हैं। प्रधान मंत्री मोदी की आदि कैलास यात्रा के बाद श्रद्धालुओं एवं साहसिक पर्यटकों में खासा उत्साह है। इसके लिये जून व जुलाई माह में पहली बार हर दिन यानी 60 दलों में यात्रा कराने की तैयारी है।

निगम के प्रबन्ध निदेशक डॉ. संदीप तिवारी के हवाले से प्रबन्ध निदेशक एपी बाजपेयी ने बताया कि इस वर्ष 13 मई से नवम्बर तक आयोजित होने वाली यात्रा के संचालन की कार्यवाहियां पूर्ण कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सामान्य जानकारी के लिये दलवार कार्यक्रम, व्यवस्थाएं, सुविधाएं, आवेदन पत्र एवं दरों का निर्धारण वेबसाइट पर डाल दी गई हैं। यात्री निगम के जनसम्पर्क कार्यालयी अथवा केन्द्रीय आरक्षण केन्द्र नैनीताल के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं।

यात्रा पैकेज के अनुसार यात्रा काठगोदाम के काठगोदाम 7 रात्रि एवं 8 दिनों की 33 हजार में, टनकपुर से काठगोदाम 7 रात्रि एवं 8 दिनों की 40 हजार में, टनकपुर से टनकपुर-त्वरित 5 रात्रि एवं 6 दिनों की 35 हजार में तथा धारचूला से धारचूला की कुल 4 रात्रि एवं 5 दिनों की 30 हजार रुपये में निधरित की गई है।

रुद्रपुर-काठगोदाम फोरलेन निर्माण

रुद्रपुर। रुद्रपुर-काठगोदाम 49 किमी तक फोरलेन कार्य अप्रैल माह के अन्त तक पूरा होने की उम्मीद है। इसको लेकर एनएचएआई ने निर्माण कार्य में तेजी जानी शुरु कर दी है। कार्यदायी संस्था को तय समय पर फोरलेन को पूर्ण करने का निर्देश है। गुजरात की कंस्ट्रक्शन कम्पनी ने अक्टूबर 2017 में रुद्रपुर से काठगोदाम तक 6 करोड़ 50 लाख की लागत से 49 किमी तक फोरलेन का निर्माण कार्य शुरु किया था। शुरुआती चरण में 24 किमी का कार्य हुआ। बाद में बजट के अभाव में काम बीच में ही बन्द कर दिया गया। एनएचएआई के दबाव में फिर से कम्पनी ने निर्माण कार्य शुरू किया और 35 किमी तक कार्य हुआ। अब दूसरी कम्पनी को सौंपे गये कार्य के बाद 40 किमी तक कार्य हुआ है और अप्रैल अंत तक यह पूरा होगा।

नारायण आश्रम में पार्किंग निर्माण

धारचूला। प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल नारायण आश्रम में वृहद पार्किंग की तैयारी हो चुकी है। आश्रम में पार्किंग निर्माण के लिये शासन ने 1.38 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है। इस राशि से आश्रम में सुन्दरीकरण के कार्य भी कराए जाएंगे।

चौंदास घाटी में स्वामी नारायण स्वामी द्वारा जिस आश्रम की नींव रखी गई थी, उसे पूजने, देखने, आध्यात्मिक शान्ति के लिये प्रतिवर्ष दूर-दूर से लोग आते हैं। समय के साथ निजी वाहनों की संख्या भी बढ़ चुकी है। ऐसे में इस दूरस्थ क्षेत्र में पार्किंग स्थल की आवश्यकता भी थी। नारायण आश्रम अपने आप में ही मनमोहक स्थल है, यदि इसमें पार्किंग सु भी हो तो यह सुविधाजनक होगा। इसके लिये आश्रम में पार्किंग बनाए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था जिसे शासन ने मंजूरी दे दी। पार्किंग और आश्रम के सुन्दरीकरण के लिये 1.38 करोड़ की धनराशि जारी हो चुकी है। अब निर्माण कार्य होना है।

रानीखेत पालिका बनने से पहले हलचल

रानीखेत पालिका में जब शामिल होगा देखा जाएगा, उससे पहले की हलचल शुरु हो चुकी है। केन्द्रीय रक्षामंत्री अजय भट्ट के रानीखेत आने पर स्वागत के बाद नई बस्ती निवासियों व चौबटिया क्षेत्र के लोगों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा। कहा कि बार बार कैंट द्वारा नई बस्ती खाली करने के नोटिस दिये जा रहे हैं जिससे लोग परेशान हैं। लोगों की बात सुनने के बाद श्री भट्ट ने कहा कि देश की सभी छावनियों को नगर पालिका घोषित करने की तैयारी चल रही है। इसलिये उन लोगों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।

क्षेत्रवासियों ने सेना द्वारा चौबटिया मार्ग को आम जनता के लिए बन्द करने का मामला भी उनके समक्ष उठाया। मंत्री भट्ट ने सरकार की उपलब्धियों और नीतियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में छावनी परिषद के अधिशासी अधिकारी कुनाल रोहिला, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुण अग्रवाल भी उपस्थित थे।

शीघ्र सुचारु होगा जसुली संग्रहालय

भीमताल। जिलाधिकारी नैनीताल वन्दना सिंह ने भवाली और भीमताल की विकास योजनाओं का निरीक्षण करते हुए भवाली सैनेटोरियम के समीप जलस्रोतों, पम्प हाउस, निर्माणाधीन रोडवेज स्टेशन की पार्किंग और काम्प्लैक्स, जसुली देवी धर्मशाला, अमृत सरोवर की समस्याओं को जाना। इसके बाद विकास भवन भीमताल में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया।

जसुली देवी धर्मशाला, संग्रहालय में निरीक्षण के दौरान एसडीएम कोश्याकुटोली को केएमवीएन और नगर पंचायत से समन्वय बनाकर एक माह के भीतर संग्रहालय को सुचारु रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। देवी मन्दिर के समीप करोड़ की लागत से बन रहे निर्माणाधीन मल्टी स्टोरी पार्किंग और काम्पलेक्स के निरीक्षण के दौरान डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों और ठेकेदार से पार्किंग की जानकारी ली। सैनेटोरियम के पास जाकर नाले के दो जलस्रोतों के निरीक्षण के दौरान जल संस्थान और निगम को जलसंचय टैंक के लिये कहा।

उत्तराखण्ड भवन के लिये ३५ करोड़

रामजन्म भूमि अयोध्या में उत्तराखण्ड भवन की भूमि खरीदने के लिये वित्त विभाग ने राज्य सम्पत्ति विभाग को 35 करोड़ की धनराशि जारी की। उ.प्र. आवास विकास बोर्ड ने राज्य सरकार से मांगी गई भूमि के लिए 33 करोड़ की डिमाण्ड की है। राशि जारी होने के बाद अब राज्य सम्पत्ति विभाग पहली किस्त के रूप में साढ़े तीन करोड़ की धनराशि जारी करेगा।

रकसिया किनारे चलेगा बुल्डोजर

हल्द्वानी। जिला विकास प्राधिकरण की संयुक्त टीम ने पीलीकोठी रोड पर रकसिया नाले किनारे निरीक्षण कर तीन मकानों को हटाने का नोटिस दिया है। अवैध ढंग से नाले किनारे की भूमि पर बने मकानों को हटाने के लिये 15 दिन का समय दिया गया है। बताते चलें कि पिछली बार मानसून में नाले ने तबाही मचाई थी। बताया जाता है कि भू माफियाओं ने इस प्रकार की बेच की थी

परिक्रमा

आदिबदरी के कपाट खुल चुके

कर्णप्रयाग। पंचबदरी में प्रथम आदि बदरी धाम के कपाट पौष माह के एक महीने तक बन्द रहने के बाद परम्परा अनुसार मकर संक्रान्ति को श्रद्धालुओं के लिये खोल दिये गये। इस अवसर पर धाम के 16 मन्दिर समूहों की ढोई कुन्तल फूलों से सज्जा हुई। सात दिवसीय महाभिषेक समारोह किया गया। मुख्य पुजारी चक्र धर थपलियाल ने भगवान आदिबदरी को सप्त सिन्धु के जल से स्नान कराया।

नवनिर्मित मंदिर में धनकुबेर प्रतिष्ठित

गोपेश्वर। बदरीश पंचायत के मुख्य अंग देवताओं के खजांची कुबेरजी मकर संक्रान्ति पर्व पर विधि-विधान पूर्व पाण्डु केश्वर में बने अपने नवनिर्मित मन्दिर में विराजमान हो गए। समारोह में मुख्य पुरोहित भुवन चन्द्र उनियाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मुख्य पुरोहित के साथ दीपक शास्त्र व परमेश्वर डिमरी ने पूजन सम्पन्न करवाया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरूप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।

पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हार्दिक शुभकामनाएं

21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।

नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री

केदारनाथ बदरीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए के पुनर्निर्माण/पुनर्विकास कार्य, चारधाम यात्रा के दौरान रिकॉर्ड 55 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किये दर्शन।

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन का अवार्ड।

रेल कनेक्टिविटी : ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन, टनकपुर बागेश्वर रेल लाईन।

4000 से अधिक होम-स्टे विकसित, 16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन।

रोड कनेक्टिविटी : चारधाम ऑल वेदर रोड, दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड व अन्य राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास।

रोप-वे कनेक्टिविटी : पर्वतमाला परियोजना, गौरीकुण्ड-केदारनाथ रोप-वे कनेक्टिविटी, गोविन्द घाट-हेमकुण्ड, सुरकण्डा देवी रोप-वे।

जमरानी बांध परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट की आर्थिक मामलों की कमेटी ने दी मंजूरी।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 के लिये 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू।

स्टेट मिलेट मिशन में स्थानीय कृषकों से झंगोरा, मंडुवा, सोयाबीन एवं चौलाई का उचित मूल्य पर क्रय।

राजकीय विद्यालयों के साथ राजकीय सहायता प्राप्त (अशासकीय) विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें।

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

मिशन एप्पल के तहत राज्य में सेब के 500 बगीचों की स्थापना का लक्ष्य है। मिशन एप्पल का बजट दुगुना।

राज्य में सोलर पॉवर उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु नई सौर ऊर्जा नीति लागू।

अन्त्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत वर्ष में 3 गैस सिलैण्डर रिफिल मुफ्त।

- देश का सबसे कठोर नकल विरोधी कानून।
- लखपति दीदी योजना के तहत 1.25 लाख महिलाओं को लखपति बनाने का लक्ष्य।
- पलायन रोकने तथा रिवर्स पलायन को बढ़ावा देने हेतु "मुख्यमंत्री सीमान्त क्षेत्र विकास योजना"।
- मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना व मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना।
- मिशन दालचीनी, मिशन तिमरु, एरोमा पार्क व एरोमा बेली।
- राज्य में शहीद सैनिकों के परिवारों के एक सदस्य को रोजगार तथा विशिष्ट सेवा मेडल अवार्ड शहीद में बढ़ोत्तरी।
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण।
- दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के अन्तर्गत किसानों को 3 लाख और स्वयं सहायता समूहों को ₹ 5 लाख तक की धनराशि का ब्याज रहित ऋण।
- हॉर्टिकल्चर को बढ़ावा देने के लिए 50 हजार पॉलीहाउस का बजट प्रावधान।
- राज्य के युवाओं के लिए "विदेश रोजगार प्रकोष्ठ का गठन"।
- समान नागरिक संहिता के लिये प्रभावी पहल।
- अटल आयुष्मान योजना में 6 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

Uttarakhand DIPR

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

माघ की खिचड़ी, ध्यैनियों का सम्मान

जगह-जगह आयोजनों में जुटे लोग, मिलन समारोह में बात-विचार-मनोरंजन

हल्द्वानी। माघ मास में खिचड़ी भोज का प्रचलन है, इसे पवित्र और प्रसाद माना जाता है। जोहार की शौका परम्परा में इसकी महत्ता ने विस्तार पाया है। घरों में भोज हेतु अपनी बहिनों-भांजियों को बुलाकर सम्मान देने के क्रम को शहरों में वृहद रूप में किया जाने लगा है। जोहार मुनस्यार सहित तमाम स्थानों पर बिरादरों, राठों ने आयोजन कर ध्यैनियों को आमंत्रित किया। हल्द्वानी, बागेश्वर, डीडीहाट, थल, अल्मोड़ा, रुद्रपुर में आयोजनों में लोग जुटे। खिचड़ी भोज के इस मिलन समारोह में आपसी भेंटघाट, बात-विचार-मनोरंजन के लिये परिवारों सहित तमाम लोग उपस्थित हुए। जोहार नगर हल्द्वानी सहित अन्य स्थानों पर सामूहिक आयोजनों की सूचनाएं हैं। आने वाले दिनों में अभी अभी यह कार्यक्रम जारी है।

जेएसएस देहरादून की वार्षिक सभा एवं खिचड़ी भोज में श्रीमती भागीरथी एवं ललित मर्तोलिया को प्रशंसा पत्र

देहरादून। जेएसएस देहरादून की वार्षिक आम सभा एवं खिचड़ी भोज में तीन समितियों द्वारा अग्रणीय समाजसेवी दम्पत्ति श्रीमती भागीरथी एवं श्री ललित सिंह मर्तोलिया को प्रशंसा पत्र दिया गया। जोहार महिला समिति, जोहार सांस्कृतिक समिति और जोहार शौका वरिष्ठ नागरिक समिति की ओर से दिये गये प्रशंसा पत्र में कहा गया है ''जोहर शौका समाज के रीति रिवाजों के आयोजनों में आ रही कुरीतियों के परिमार्जन हेतु जोहार शौका केन्द्रीय समिति तथा देहरादून में विद्यमान तीनों संगठन समय-समय पर अपील करती रही हैं। हर्ष का विषय है कि श्रीमती भागीरथी मर्तोलिया एवं श्री ललित सिंह मर्तोलिया द्वारा अपने सुपुत्र चि.कृष्णा एवं आयु.मुग्धा के 30 अप्रैल 2023 को सम्पन्न विवाह के शुभअवसर पर आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में मद्यपान निषेध का सराहनीय व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। जिसके लिये समस्त जोहार शौका समाज अपनी ओर से हार्दिक बधाई देता है और आशा करता है कि आप हमेशा समाज में स्वस्थ परम्पराओं के विकास के लिये इसी प्रकार पहल करते रहेंगे।''

बताते चलें कि देहरादून में जेएसएस संगठनों की सक्रियता से लगातार गतिविधियां जारी हैं। श्रीमती भागीरथी-श्री ललित मर्तोलिया की दो बेटियां दो बेटे हैं। तीन के विवाह में किसी भी तरह से मद्यपान नहीं हुआ। मर्तोलिया जी ने संकल्प लिया है चौथे बेटे के विवाह में भी मद्यपान नहीं करवाऊंगा। कहा कि इस सम्मान पत्र से मेरा मनोबल और भी बढ़ गया है। बताते चलें कि श्री मर्तोलिया जी ने भी अपने जीवन में मद्यपान नहीं किया। साथ ही उनका परिवार समाज व समाज से बाहर भी स्वस्थ परम्पराओं को बढ़ावा देने के लिये अग्रणीय रहता है।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)